प्रेषक,

शिव गोपाल सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 11 जुलाई, 2025

विषयः- केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी पीरबाबा सलीम पुत्र श्री कबीर, निवासी जनपद-बिजनौर की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अधीक्षक, (मु0) कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या-705/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-31.12.2024), दिनांक 07.01.2025 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी पीरबाबा सलीम पुत्र श्री कबीर, ग्राम-पानी बाग, कस्बा व थाना-नजीबाबाद, जनपद-बिजनौर का निवासी है। वादी का भाई शकीर तांत्रिकों पर विश्वास करता था और पीरबाबा सलीम (बन्दी) के प्रभाव में उसके कहने के अनुसार काम करता था। शकीर दिनांक 19/20.05.2002 को पत्नी मैसरजहां व 04 बच्चों के साथ छत पर सो रहा था, सुबह लगभग 03.00 बजे अपने 04 बच्चों की गर्दन पर गड़ासे से मारकर हत्या कर दी। बंदी को उक्त अपराध हेतु सत्र परीक्षण संख्या-708/2002 में भा0द0वि0 की धारा-302/120 बी के अन्तर्गत मा० अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुरादाबाद के आदेश दिनांक 24.03.2006 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बंदी द्वारा दिनांक 15.09.2024 तक अपरिहार 22 वर्ष, 03 माह, 24 दिन तथा सपरिहार 27 वर्ष, 11 माह, 24 दिन की सजा भोग ली गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, बिजनौर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक दिनांक 21.11.2024 में जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बंदी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने वाला, पुनः अपराध कारित करने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि वादी का भाई शकीर तांत्रिकों पर विश्वास करता था और पीरबाबा सलीम (बन्दी) के प्रभाव में उसके कहने के अनुसार काम करता था। शकीर दिनांक 19/20.05.2002 को पत्नी मैसरजहां व 04 बच्चों के साथ छत पर सो रहा था, सुबह लगभग 03.00 बजे अपने 04 बच्चों की गर्दन पर गड़ासे से मारकर हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है तथा जिला मजिस्ट्रेट, बिजनौर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक दिनांक 21.11.2024 में जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की गई है परंतु प्रकरण से सम्बंधित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नही है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के अनुकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी पीरबाबा सलीम पुत्र श्री कबीर को फार्म-ए/ लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- अतः उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी पीरबाबा सलीम (बंदी संख्या-11703) पुत्र श्री कबीर, निवासी जनपद-बिजनौर के फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए/लाईसेंस पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

संख्या-767/2025/76(1)/22-2-2025 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, बिजनौर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
3- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांक 10.09.2024 के सन्दर्भ में।
4- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।
5- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।
6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-767/2025/76/22-2-2025-17(1099)/2019

दिनांक 11 जुलाई, 2025 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी पीरबाबा सलीम पुत्र श्री कबीर, ग्राम-पानी बाग, कस्बा व थाना-नजीबाबाद, जनपद-बिजनौर का निवासी है। वादी का भाई शकीर तांत्रिकों पर विश्वास करता था और पीरबाबा सलीम (बन्दी) के प्रभाव में उसके कहने के अनुसार काम करता था। शकीर दिनांक 19/20.05.2002 को पत्नी मैसरजहां व 04 बच्चों के साथ छत पर सो रहा था, सुबह लगभग 03.00 बजे अपने 04 बच्चों की गर्दन पर गड़ासे से मारकर हत्या कर दी। बंदी को उक्त अपराध हेतु सत्र परीक्षण संख्या-708/2002 में भा0द0वि0 की धारा-302/120 बी के अन्तर्गत मा० अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुरादाबाद के आदेश दिनांक 24.03.2006 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बंदी द्वारा दिनांक 15.09.2024 तक अपरिहार 22 वर्ष, 03 माह, 24 दिन तथा सपरिहार 27 वर्ष, 11 माह, 24 दिन की सजा भोग ली गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, बिजनौर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक दिनांक 21.11.2024 में जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बंदी द्वारा कारित अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने वाला, पुनः अपराध कारित करने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुये समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि वादी का भाई शकीर तांत्रिकों पर विश्वास करता था और पीरबाबा सलीम (बन्दी) के प्रभाव में उसके कहने के अनुसार काम करता था। शकीर दिनांक 19/20.05.2002 को पत्नी मैसरजहां व 04 बच्चों के साथ छत पर सो रहा था, सुबह लगभग 03.00 बजे अपने 04 बच्चों की गर्दन पर गड़ासे से मारकर हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है तथा जिला मजिस्ट्रेट, बिजनौर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक दिनांक 21.11.2024 में जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की गई है परंतु प्रकरण से सम्बंधित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नही है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के अनुकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी पीरबाबा सलीम पुत्र श्री कबीर को फार्म-ए/ लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बंदी की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।